LIBRA WELFARE SOCIETY

ANNUAL REPORT
2021-22

एक आवाज़, एक प्रयास

REGISTRATION NO.: 7690

अरपा रेडियो के कुछ लिब्रा वेलफयर सोसायटी रजिस्टार ऑफिस से पंजीकृत गैर सरकारी संगठन के रूप मे 2008 से कार्य कर रहा है।

नेत्रहीन बच्चों के लिये टॉकिंग बुक्स, मतदाता जागरूकता के लिये रेडियो कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, बुजुर्गों के लिये डे केयर सेंटर का संचालन, महिलाओं, बुजुर्गों व बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन, प्लास्टिक हटाओ अभियान, होली के रंगों के दुष्प्रभाव व हर्बल रंगों का निर्माण व प्रयोग, अपनी सुरक्षा अपने अधिकार श्रृंखला में महिला अधिकारों एवं सषक्तीकरण जैसे अभियानों का संचालन इस संस्थान द्वारा किया जा रहा है। कुपोषण की समस्या के लिये अपना भोजन स्वयं उगाने और पर्यावरण को बढ़ावा देने का कार्य भी किया गया है।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी द्वारा 2020 से अरपा रेडियो कासंचालन किया जा रहा है।

XXX-Part– 21

रूप क्रमांक 2

(देखिये नियम 7)

छत्तीसगढ़ शासन

समिति का पंजीयन प्रमाणपत्र

क्रमांक पि. सं. 7690

यह प्रमाणित किया जाता है कि लिबरा वेलफेयर सोसायटी समिति जो बी/1/6 प्रगतिनगर बिलासपुर, तहसील बिलासपुर, जिला बिलासपुर में स्थित है, छत्तीसगढ़ सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 (सन् 1973 का क्रमांक 44) के अधीन 01-02-2008 को पंजीयित की गई है।

दिनांक एक माह फरवरी सन् 2008

मुद्रा

(अजय चौबे) 1/2/08

समितियों के रजिस्ट्रार

पिछले वर्षों के कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम ....एक नज़र............

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी 2008 से निरंतर शासकीय-अशासकीय प्रचार प्रसार, ऑडियो वीडियो कार्यक्रम निर्माण, फिल्म निर्माण, आकाशवाणी के प्रायोजित कार्यक्रम, इंटरनेट रेडियो, वेब डिजायनिंग के अलावा संस्था द्वारा बिना किसी अनुदान के नगर मे विभिन्न प्रकार के जनजागरूकता अभियान लगातार चलाये जा रहे हैं-

1. टॉकिंग बुक्स -छ.ग के अंध बधिर स्कूलों के लिये कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के बच्चों के लिये उनके पाठ्यक्रम के राजनीतिशास्त्र, इतिहास एवं हिन्दी विषयों की ऑडियो सीडी की रिकॉर्डिंग व एडिटिंग करके तैयार किया गया।

2. नो प्लास्टिक प्लीज़-बिलासपुर शहर में प्लास्टिक निवारण के लिये प्रयास। इस संदर्भ में एक फिल्म के निर्माण, प्रदर्शन के अलावा कपड़ों के थैले सिलवा कर वितरण किया गया। अखबार के कागजों से पेपर बैग्स बनवाकर उनको लोगों को बांटा गया और अनेक संस्थानों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

3. अस्तित्व -बुजुर्गों के लिये डे केयर सेंटर का संचालन प्रगति विहार, बिलासपुर में किया गया। जिसमें उनके लिये निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन किये गये।

4. आकृति-बच्चों के लिये 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, जिसमें उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, संस्कार कक्षाओं के माध्यम से उनके मन में पौष्टिक भोजन के प्रति लगाव व जंक फूड के नुकसान, पर्यावरण से जुड़ाव जैसे अनेक कार्यक्रम संचालित किये गये।

5. होली व रंगोली - रासायनिक रंगों के उपयोग और उनके दुष्परिणामों के बारे में और हर्बल रंगों के निर्माणव उपयोग की जानकारी अनेक कार्यशालाओं के माध्यम से जनसाधारण तक पहुंचाई गई। इस संदर्भ में एक लघुफिल्म का फिल्मांकन कर प्रदर्शन भी किया गया। इन कार्यक्रमों में कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपनी सलाह एवं विचार भी रखे।

6. अपनी सुरक्षा अपने अधिकार- संस्था द्वारा अलग अलग विषयों पर लोगों को जागरूक करने के लिये एक अभियान चलाया गया। ये अभियान प्रतिष्ठित डॉक्टरों, अधिवक्ताओं व पुलिस विभाग के सहयोग से तैयार रूपरेखा पर आधारित कार्यक्रम था-

- **बच्चों के सामान्य अधिकार**-इसके अंतर्गत ये बताया जा रहा है कि भारतीय संविधान के अनुसार बच्चे के कौन कौन से अधिकार हैं। पीआईएल और चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत जानकारी ! आपका बच्चा किस प्रकार सुरक्षित रह सकता है.
- **महिला प्रताड़ना** - कानूनी अधिकार विषय के अंतर्गत प्रताड़ना क्या है, किसी भी रूप परेशान किये जाने की किस सीमा को हम प्रताड़ित किया जाना कहेंगे। महिला सुरक्षा नियमों व हाल में हुए कानूनी परिवर्तनों के बारे में जानकारी। हमारी सुविधा और सुरक्षा के लिये है पुलिस, जानें पुलिस विभाग के बारे में। क्या है एफआईआर और जानें सायबर अपराधों के बारे में।
- **वोट देने का अधिकार** - एक जिम्मेदार लोकतंत्र के निवासी होने के नाते 18 साल से अधिक उम्र के हर भारतीय नागरिक को अपनी मर्जी से वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। चुनाव क्या हैं, हर स्तर पर चुनाव प्रक्रिया क्या है और हमारी सरकार कैसे बनती है और हमारे क्या अधिकार हैं।

- **जानें मानव की शारीरिक संरचना**- महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्यगत परेशानियां व बचाव के उपाय ।
- **आत्मसुरक्षा व बचाव के तरीके**- आत्मसुरक्षा के लिये मांसपेशियों को मजबूती देने वाली सामान्य एक्सरसाइज आत्म बचाव के लिये कुछ तकनीकी जानकारियां कुछ हेल्पलाइनों के बारे में जानकारियां।

7. रोज़ एक कहानी-पुराना समय था जब हर घर में बच्चे अपनी नानी, दादी से कहानी सुने बिना सोते नहीं थे। कुछ शिक्षाप्रद कहानियां कहानियां सुनने के बाद जब बच्चे सोते थे तो सपनों में भी उन्हें कुछ अच्छा ही दीखता था। सुषुप्तावस्था में में भी वे अच्छे संस्कारों से युक्त हुआ करते थे। क्योंकि ये बात वैज्ञानिक भी मानते हैं कि सोने से पहले व्यक्ति जो कुछ सोचता, सुनता या देखता है, वो उसके मन में बसा होता है और सपने भी ज्यादातर उस संदर्भ में ही देखता है। लेकिन आज का बच्चा देर रात तक टीवी देखता है, इंटरनेट पर गेम्स, फिल्मों, कार्टूनों से जूझता रहता है और यूं ही कब सो जाता है माता पिता को भी पता नहीं चलता।
हमारी संस्था के माध्यम से 3 से 8 साल तक के ऐसे बच्चों के 50 पालकों को एक व्हाट्सएप्प नंबर उपलब्ध करवाया गया और उनको 'रोज एक कहानी' क्रम के तहत प्रतिदिन एक ऑडियो कहानी जिसको संस्था के कलाकारों द्वारा ही तैयार किया जाता था, भेजी गई।

8. सिने पीरियेड-चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी द्वारा निर्मित फिल्में सिर्फ बच्चों को ध्यान में रखकर बनायी जाती हैं। प्रेरणादायी, बच्चों की कहानियों पर आधारित ऐसी फिल्में जिनमें अभिनय व मुख्य किरदार भी बच्चों का ही होता है। ये फिल्में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी से सीधे फिल्में मंगवाकर, 3 दिनी उत्सव किया गया। 1000 लोगों के बैठने की व्यवस्था वाले इस हॉल में विभिन्न स्कूल के बच्चों को अलग अलग शो में आमंत्रित करके उनको ये फिल्में दिखायी गईं। इंटरवेल में बच्चों को फास्ट फूड के नुकसान बताते हुए कुछ ऐसे स्टॉलों का प्रबंध किया गया था जिसमें चिप्स, कुरकुरे, कोल्डड्रिंक्स नहीं, भेल, अंकुरित सामान, ढोकला, फलों का रस आदि का इंतजाम था। साथ ही इंतजाम था संस्था के ही कलाकारों, वालेन्टियर्स के ऑर्केस्ट्रा का। इंटरवेल और फिल्म के अंत में लाइव ऑर्केस्ट्रा शो में बच्चों के गाने आये हुए बच्चों को शामिल करके गाये जाते थे। इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया।

9. संवेदना - 40 बुजुर्ग महिला व 40 बुजुर्ग पुरुषों के लिये संचालित वृद्धाश्रम 'कल्याण आश्रम' में संस्था के सदस्य महीने में एक दिन व ही त्योहार पर उनके साथ समय बिताने जाते हैं। खाते-खिलाते हैं, मनोरंजन करते हैं। कभी मॉल में फिल्म, कभी पिकनिक जैसी गतिविधियों में शामिल करते हैं। उनकी समस्याओं को पूरी करने का प्रयास भी साथ साथ चलता रहता है। संवेदना नाम से चलाये जा रहे इस कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिलायें सब शामिल हैं जिनको अब बुजुर्ग भी अपने परिवार का सदस्य मानने लगे हैं।

10. अपना भोजन स्वयं उगायें - कुपोषण व प्रदूषण युक्त भोजन से खुद व परिवार को बचाने के लिये अपने घर में, गमलों या खाली स्थान पर पौधों के रोपण से संबंधित जाानकारी युक्त पुस्तिका छपवा कर लोगों को बांटी जाती है। घर के अंदर किस तरह के पौधे प्रदूषण मुक्त वातावरण बना सकते हैं या किस क्षेत्र में कैसी खाद्य सामग्री के पौधे लगाये जायें, सारी जानकारी पुस्तिका में उपलब्ध है। पर्यावरण को भी बढ़ावा देने वाले इस कार्यक्रम में पौधों व बीजों का वितरण भी किया जाता है।

11. वित्तीय साक्षरता -जागरूकता हर क्षेत्र में ज़ारूरी है। डिजटल जागरूकता, बैंक संबंधी जागरूकता की कमी के कारण आज ही दिन लोग फोन आदि के माध्यम से बेवकूफ बनाये जा रहे हैं। इस संदर्भ में आरबीआई के लिये संस्था ने 10 जागरूकता फिल्मों का निर्माण किया है, जिनमें बीमा, ऋण, निवेश, बजट, बचत के साथ फोन, मेल पर मिलने वाले लालच भरे ऑफर्स के बारे में नाटकीय ढंग से बताया गया है। स्क्रिप्ट, अभिनय, कैमरा, डायरेक्शन, एडिटिंग आदि संस्था के लागों द्वारा ही किया गया प्रयास है। छत्तीसगढ़ी में बनी इन फिल्मों को गांवों में दिखाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

12. कम्युनिटी रेडियो - केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक संस्थानों एवं एनजीओ को प्रदान की जाने वाली कम्युनिटी रेडियो योजना के तहत बिलासपुर की लिब्रा वेलफेयर सोसायटी को ये सुविधा 90.8 फ्रीक्वेंसी के साथ दी गई।
बिलासपुर की अरपा नदी के नाम पर आधारित रखे गये इस रेडियो का मुख्य उद्देश्य जनचेतना जागृति, स्थानीय भागेदारी, लोगों को आपस में जोड़ने और छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, तीज-त्योहार आदि को ऑडियो में सहेजना व अंचल के लोगों को हर क्षेत्र की जानकारियां उपलब्ध करवाने के साथ विकास में सहयोगी बनना।

Name and Genesis of the CRS:
Arpaa Radio 90.8, Bilaspur Chhattisgarh runs through Libra Welfare Society (Registration 7690/ Dt.01.02.2008) License Number: FMCR-311/1
Application Submitted: 28.09.2015
LOI 02.01.2017
DL 08.05.2018
SACFA 29.08.2018
GOPA 23.09.2019
WOL 02.02.2021
Launched 01.04.2021

Address: Lane Number R-5, B1/6, Kranti Nagar, Bilaspur (C.G.) 495001
Contact No. 9827150507, 9179132444
Email ID libra.welfare@gmail.com
arpaaradio@gmail.com
Website: www.arpaaradio.com

What is Arpaa Radio APP & Arpaa Website

- बिलासपुर में हमारा संस्थान विगत कई वर्षों से ऑडियो के माध्यम से अनेक कार्य करता रहा है। छत्तीसगढ़ के समस्त आकाावाणी केन्द्रों के लिये कार्यक्रमों का निर्माण, नेत्रहीन बच्चों के पाठ्यक्रम का ऑडियो रूपांतरण, छोटे बच्चों के लिये कहानियों का प्रोडक्षन आदि। बिलासपुर में निर्मित ये और बहुत सारे ऑडियो व पॉडकास्ट इंटरनेट पर अलग अलग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हैं। इनको एक एप पर एक साथ रखने के उद्देष्य से गूगल प्ले स्टोर पर अरपा रेडियो एप के नाम से लांच किया गया।
- अरपा रेडियो एप्प ऑडियो प्रोग्राम सुनने व ऑडियो फाइल्स संग्रहण करने लिये निर्मित एप्प था। पर चूंकि शासकीय नियमानुसार कम्युनिटी रेडियो की प्रसारण क्षमता कम दूरी तक संभव है, इसलिये अब लाइव या सजीव प्रसारण को 'एप्प' पर सुनने के लिये उपलब्ध करा दिया गया है। जिससे अब बिलासपुर का प्रसारण ग्लोबली सुना जा रहा है।
- अरपा रेडियो के लिये अब वेबसाइट भी लांच हो चुकी है, जिस पर आर्काइव व लाइव रेडियो सुना जा सकता है।

APP Link: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.arpaaradio
Website Link: www.arpaaradio.com

Arpaa Radio's Motive

- **Mission**
- EDUCATE, ENLIGHTEN & ENRICH

- **Vision**
- To develop an ecosystem of collaboration, cooperation, and sharing of resources among intersections using information, knowledge, and humane touch for self-empowerment and community development.

- **Goals**
- Networking of educational institutions to enhance human potential through an ecosystem of cooperation, and knowledge dissemination. A participatory approach to the intersection of society will be undertaken with real success stories reflecting their dreams, passion & motivation to bring quality living to their lives.
- Conservation of environment, traditional knowledge and cultural values and Awareness in the age of Globalisation

बच्चों की थियेटर वर्कशॉप

अप्रैल 15 से अप्रैल 30
प्रतिभागी 7
स्थान : क्रांति नगर सामुदायिक भवन
प्रशिक्षक
रचिता देशपांडे , अरुण भाँगे

रंगायन पेंटिंग वर्कशॉप

मई 15 से मई 30
प्रतिभागी 17
स्थान : राजेन्द्र नगर सामुदायिक भवन
प्रशिक्षक
सुनीता वर्मा , जयश्री

अरपा रेडियो के कुछ कार्यक्रम व क्रम

बच्चों के कार्यक्रम खिलखिलाहट की स्टूडियो रिकॉर्डिंग

बच्चों की आवाज में कहानी, बच्चों की जुबानी
औडियो बुक

अरपा रेडियो के श्रोताओं से बातचीत का क्रम
सप्ताह के श्रोता

अरपा रेडियो प्रस्तुतकर्ता
सुनील चिपड़े
मीनू सिंह
शुभ्रा ठाकुर
सुमेधा अग्रश्री
सुजाता शुक्ला

अरपा रेडियो का क्रम को श्रोताओं का प्यार

स्वास्थ्य व जागरूकता के कार्यक्रम में अरपा रेडियो रेडियो पार्टनर

अरपा रेडियो द्वारा
औडियो पुस्तक निर्माण

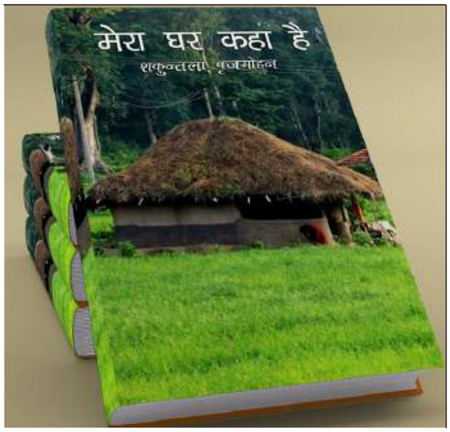

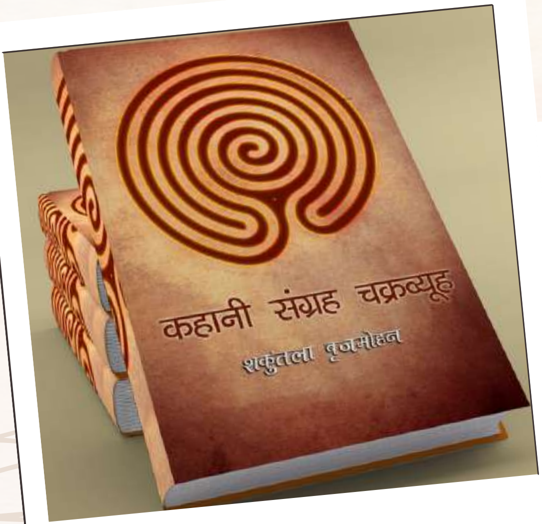

अरपा रेडियो द्वारा औडियो पुस्तक निर्माण

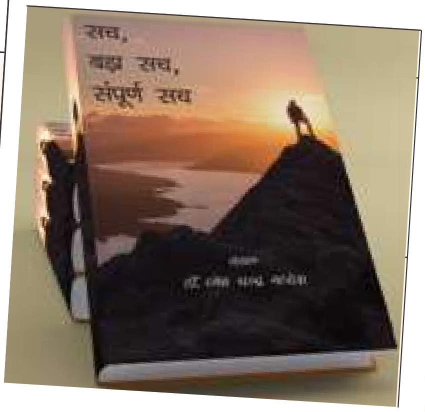

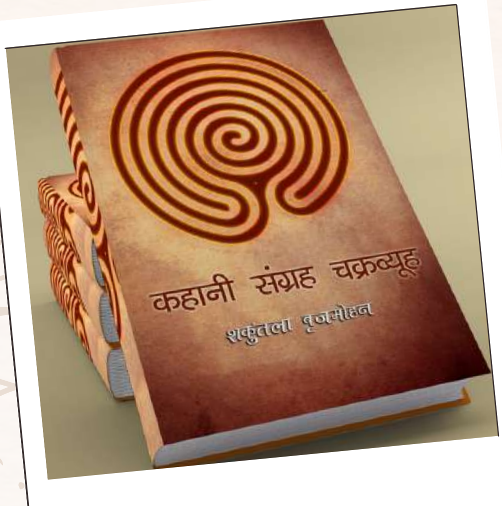

अरपा रेडियो द्वारा मानसिक स्वास्थ्य वर्कशॉप में साझेदारी व अनेक कार्यक्रमों का निर्माण व प्रसारण

हर दिवस, हर त्योहार अरपा रेडियो के साथ

अरपा रेडियो पर हर वर्ग की साझेदारी व सहभागिता

हमर छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की
जानी-अनजानी
देवियाँ
डिनडेश्वरी देवी
मल्हार
आलेख हरी सिंह क्षत्रिय
स्वर अपर्णा बेडेकर
www.arpaaradio.com

आदिवासी दिवस विशेष
रंग छत्तीसी 36गढ़ के
RJ बिलासपुरिहा महेंद्र के संग
अर्चना पोर्ते
छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति
आयोग की सदस्या
अर्चना पोर्ते
महेंद्र सिंह ध्रुव

भोजली विशेष
रंग छत्तीसी 36गढ़ के
RJ बिलासपुरिहा महेंद्र के संग
शिक्षक, कवि, साहित्यकार
और
छत्तीसगढ़ी संस्कृति के
संवाहक
रामेश्वर गुप्ता
महेंद्र सिंह ध्रुव

स्मृतिगंधा
आलेख :पीयूष कुमार

रंग छत्तीसी 36गढ़ के
RJ बिलासपुरिहा महेंद्र के संग
लोक परब
छेरछेरा

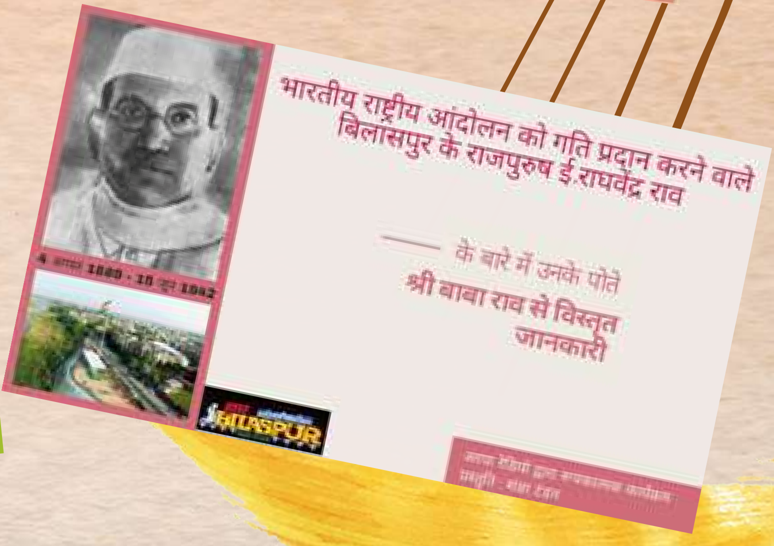
भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को गति प्रदान करने वाले
बिलासपुर के राजपुरुष ई.राघवेंद्र राव
के बारे में उनके पोते
श्री बाबा राव से विस्तृत
जानकारी
BILASPUR

अरपा रेडियो पर स्वास्थ्य जागरुकता

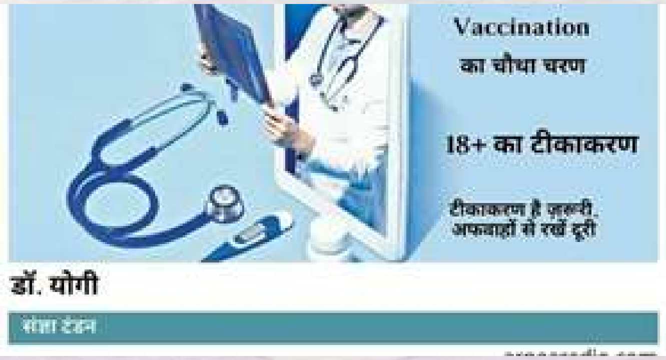

कलाकारों को प्रोत्साहन

सच्ची +ve कहानियाँ

स्थानीय भागेदारी

केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के
एसो. प्रोफेसर डॉ.रामनिवास साहू
के उपन्यास में उनकी जन्मभूमि छत्तीसगढ़ बनी कथाभूमि...
Arpa Exclusive Podcast

गांधी चौक
(संघर्ष, समर्पण और सफलता की कहानी)
बिलासपुर के नए युवा लेखक की
amazon पर धूम
Dr. Anand Kashyap
Gandhi Chowk

अरपा

अरपा रेडियो द्वारा पुरस्कार
रेडियो को पुरस्कार

CERTIFICATE

OF PARTICIPATION

Ministry of Culture

THIS CERTIFICATE IS AWARDED TO

Arpa radio

JAI HIND

अरपा रेडियो अखबारों में

नवभारत

वर्ल्ड रेडियो डे आज - शहर में फरवरी 1984 में हुआ था तीन दिवसीय यादगार 'राष्ट्रीय श्रोता संघ सम्मेलन'

कम नहीं हैं रेडियो के दीवाने, श्रोता संघ सम्मेलन के लिए आमंत्रण देने श्रीलंका तक गए थे शहर के धरमदास

दिव्यांगता को आत्मबल से जीतकर अपना जीवन संवारा

बिलासपुर। जन्म के समय ही मस्तिष्क में लगी चोट से क्षतिग्रस्त हुई कोशिकाओं से बहुदिव्यांगता से मेडिकल में सेरीब्रल पालिसी नाम रोग से भावी जीवन के अंधेरे को विभुति सचदेव ने दूर किया। विभुति के शरीर का बांया पक्ष कमजोर है। उन्होंने दाहिने हाथ से ही कम्प्यूटर चलाना सीखा। पिता के सारे कम्प्यूटर संबधित कार्य, पीपीटी बनाना, ई-मेल भेजना, ऑनलाइन कक्षा का लिंक बनाना, भेजना आसानी से यह कार्य कर लेती है। विशेषज्ञों ने विभुति की प्रॉब्लम का मेडिकल साइंस में उपचार नहीं होने की जानकारी दी, लेकिन समाज परिवार के साथ समय बिताते हुए फिजियोथैरेपी, स्पीच थैरेपी के सहयोग से विकास के पथ पर बढ़ाने को कहा। तब भागवत कथाकार पंकज मिश्रा, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीश मिश्रा, स्व. शिवाजी कुशवाहा के संबल और अपनी छोटी बहन अदिति और भाई प्रखर के सहयोग से वह गृह प्रबंधन में निपुण हो गई। विभुति अभी मानव विकास में एमएससी कर रही है। बचे समय में रेडियो अरपा में आडियो एडिटिंग के लिए जाती हैं। जरूरतमंदों का सहारा बनना उसे आनंदित करती है। लिहाजा शारीरिक कमजोरी को मात देते हुए वे वनवासी विकास समिति से जुड़कर सेवा देने लगी। अपने शिक्षा संस्थान के मित्रों का सहयोग करती और अब अपने निवास पर निःशुल्क श्री राम वाचनालय की स्थापना भी पिता के सहयोग से कर लिया है।

भोलाराम के कहानी का अरपा रेडियो पर किया गया प्रसारण

भोलाराम सिन्हा
● फाइल फोटो

मगरलोड (नईदुनिया न्यूज)। ग्राम सभा निवासी शिक्षक व कहानीकार भोलाराम सिन्हा के सामुदायिक अरपा रेडियो बिलासपुर का प्रसिद्ध कार्यक्रम श्रोता की कलम से का 19 अगस्त को शाम छह बजे प्रसारण हुआ। इस कार्यक्रम में सिन्हा समय के महत्व के बारे में बताया तथा अपने मनपसंद बेहतरीन गीत भी सुनाया। इनकी रचनाएं निरंतर प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होता रहती है। समय-समय पर आकाशवाणी रायपुर से कहानी का प्रसारण भी होता रहता है। नई कलम, मन की आवाज, साहित्य के सितारे आदि सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। भोलाराम सिन्हा संगम साहित्य एवं सांस्कृतिक समिति मगरलोड के मीडिया प्रभारी के साथ-साथ एक रेडियो श्रोता भी है। इनकी इस उपलब्धि पर मोहदी प्राचार्य अशोक कुमार ध्रुव, समन्वयक रमेश शर्मा, खुमेश्वर सिन्हा, सहायक शिक्षक फेडरेशन मगरलोड के अध्यक्ष नरेंद्र सिन्हा, रवि गोस्वामी, कोमल साहू, सियाराम साहू, सुभाष साहू, कुलेश्वर साहू, जीवराखन साहू, प्रकाश निषाद, रमेश निषाद, भूषण साहू, हेमंत साहू, हमेंद्र सिन्हा, कृपाल निषाद, पवन निषाद, संगम साहित्य एवं सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष पुनू राम साहू, राज, सचिव आत्माराम साहू, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सरल, लालेश्वर सिन्हा, भोपाल मणी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।